७ वृक्ष

(कविता)

अंकुर मिट्टी में सोया था
सपने में खोया था
नन्हा बीज हवा ने लाकर
एक जगह बोया था।

तभी बीज ने ली अँगड़ाई
देह जरा-सी पाई
आँख खोलकर बाहर आया
दुनिया पड़ी दिखाई।

खाद मिला, पानी भी पाया
ऐसे जीवन आया
ऊपर बढ़ा इधर, धरती में
नीचे अधर समाया।

तने, डालियाँ, पत्ते आए
और फूल मुसकुराए
नन्हा बीज वृक्ष बन करके
धरती पर लहराए।

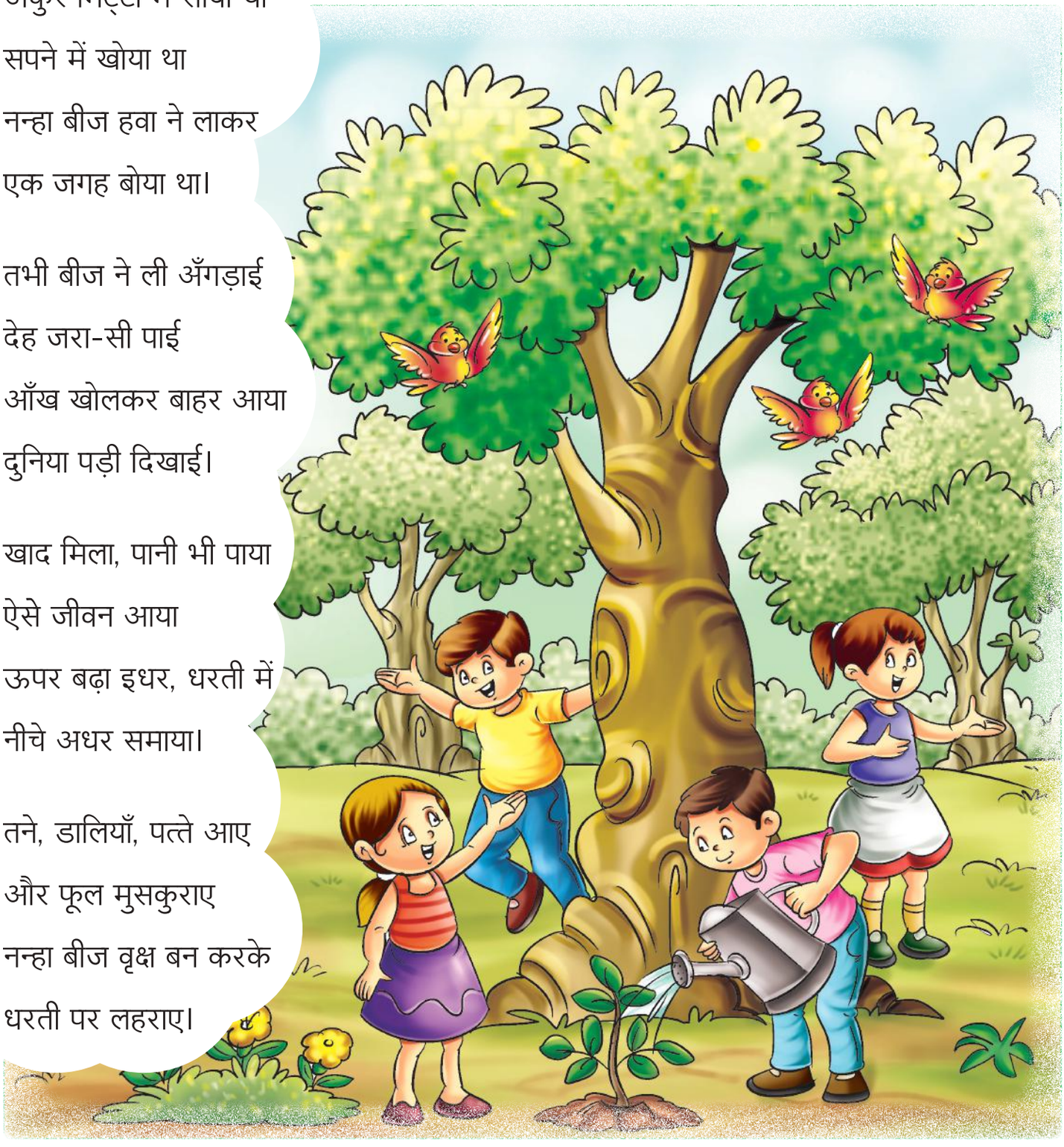

जीता, मरता, रोगी होता
दुख आने पर रोता
वृक्ष साँस लेता, बढ़ता है
जगता है, फिर सोता।

रोज शाम को चिड़ियाँ आतीं
सारी रात बितातीं
बड़े सबेरे जाग वृक्ष पर
चीं-चीं-चीं-चीं गातीं।

छाया आती, बड़ी सुहाती
सब टोली जुट जाती
तरह-तरह के खेल वृक्ष के
नीचे बैठ रचाती।

—डॉ० श्रीप्रसाद

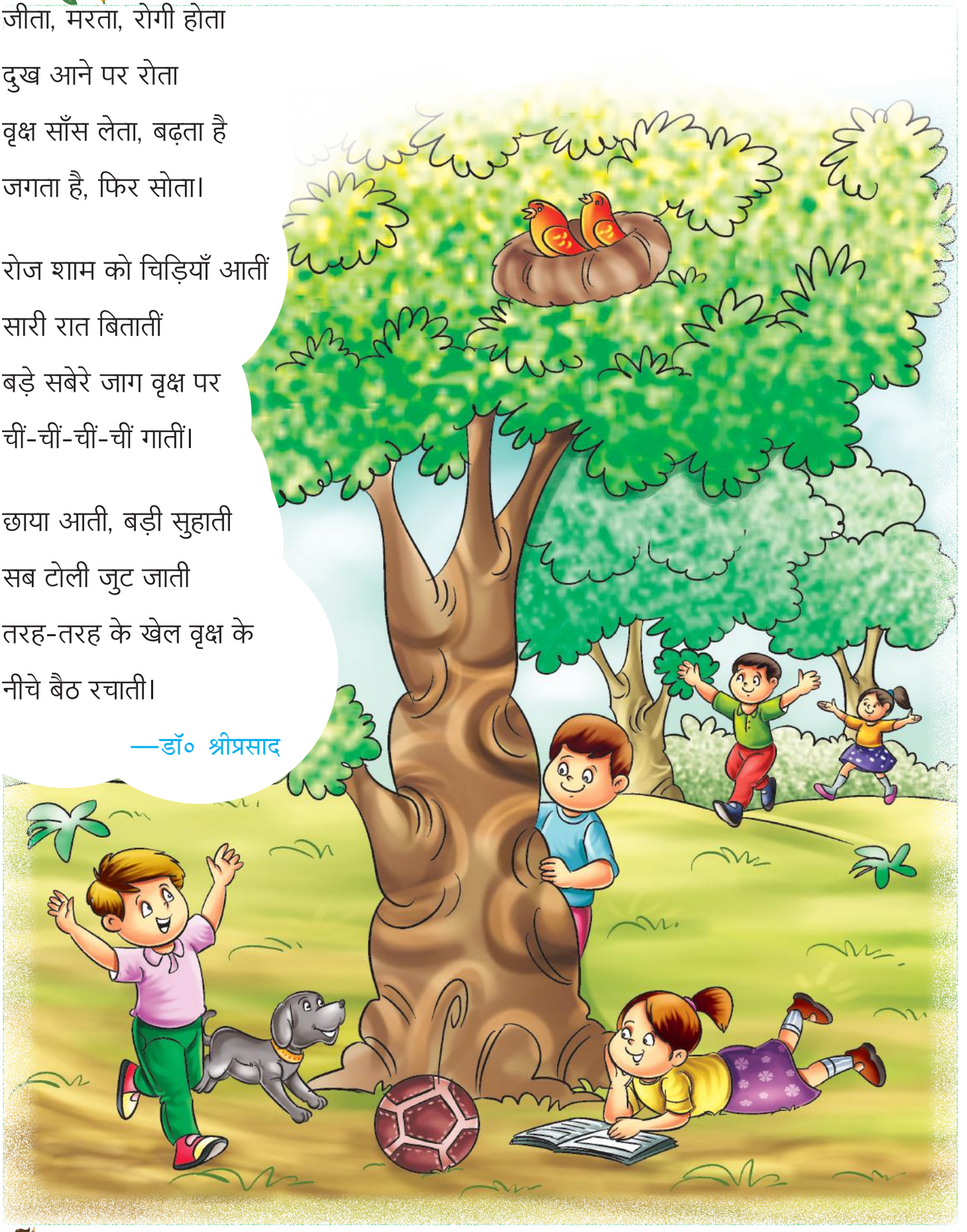

शब्द-अर्थ

अंकुर — बीज, गुठली *(seed)*,
अँगड़ाई — थकान दूर करने की शारीरिक क्रिया *(yawn)*,
देह — शरीर *(body)*,
खाद — खेतों में डालने वाले रासायनिक उर्वरक *(fertilizer)*।
सुहाती — अच्छी लगती *(look good)*,
टोली — झुंड *(flock)*,
जुट — इकट्ठा *(collect)*,

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि डॉ० श्रीप्रसाद बताते हैं कि एक नन्हे से बीज से ही वृक्ष बनता है। हवा ने एक नन्हे से बीज को लाकर मिट्टी में बो दिया। वह बीज धरती की गोद मिट्टी में सोकर सपने में खो गया। तभी बीज ने अँगड़ाई लेकर छोटे से शरीर को पाया। जब उसकी आँख खुली तो उसे बाहरी दुनिया दिखाई दी। खाद पानी मिलकर बीज का जीवन आया। जितना बीज ऊपर आसमान की ओर बढ़ा उतनी ही उसकी जड़े धरती के नीचे समाती रहीं। उस पर तने, डालियाँ और पत्ते आए। फिर फूल उस पर आकर मुस्कुराए। वह नन्हा-सा बीज वृक्ष बनकर धरती पर लहरा रहा है। वृक्ष जीता भी है, मरता भी है, बीमार भी होता है, दुख की घड़ी आने पर रोता भी है, मगर फिर भी वह साँस लेकर बढ़ता है और जागता भी है और सोता है। उस वृक्ष पर रोज शाम को चिड़िया आकर सारी रात बिताती थी और सुबह को जागकर चीं-चीं करके गाना गाती थी। वृक्ष के नीचे छाया रहती थी जिससे सबकी टोली वहाँ पर जुट जाती और नीचे खेल-खेले जाते।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

मिट्टी	नन्हा	अँगड़ाई	देह	खाद	डालियाँ
मुसकुराए	सबेरे	सुहाती	टोली	खेल	वृक्ष

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मिट्टी में कौन सोया था?

(ख) बीज कौन लाया था?

(ग) बीज को जीवन देने में किस-किसने मदद की?

(घ) वृक्ष की छाया में किसकी टोली क्या करती है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) बीज कहाँ से बाहर आया?

☐ धरती से ☐ वृक्ष से ☐ घर से

(ख) बीज को खाद के अलावा और क्या मिला?

☐ धरती ☐ सूरज ☐ पानी

(ग) वृक्ष पर कौन मुसकुराए?

☐ तने ☐ डालियाँ ☐ फूल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नन्हे बीज के वृक्ष बनने पर क्या हुआ?

(ख) वृक्ष का कौन-सा हिस्सा धरती में समाता है?

(ग) चिड़ियाँ वृक्ष पर आकर सुबह-शाम क्या करती हैं?

(घ) वृक्ष हमारे किस काम आते हैं?

(ङ) वृक्ष कब रोता है?

भाषा-ज्ञान

1. कोष्ठक में से रंगीन शब्दों के उचित विलोम शब्द छाँटकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) आज हमारी मौखिक परीक्षा है, कल ..... परीक्षा होगी। (लिखित/लिखने)

(ख) सत्य की सदा जीत होती है और ..... की हार। (झूठ/असत्य)

(ग) प्रेम से दूसरों का मन जीता जा सकता है, ... से नहीं। (घृणा/प्यार)

(घ) सेठ को व्यापार में लाभ की जगह ..... हुई। (नुकसान/हानि)

2. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलिए–

(क) आँख - .....

(ख) पत्ता - .....

(ग) रात - .....

(घ) टोली - .....

(ङ) डाली - .....

(च) चिड़िया - .....

क्रियात्मक गतिविधि

- अपने घर के एक गमले में कुछ बीज डालकर उसको ध्यानपूर्वक देखिए कि वह कब बड़ा होकर एक पौधा बनता है।
- अपनी छोटी बहन को वृक्षों के लाभ बताते हुए एक पत्र लिखिए।